प्रेस नोट

दीव में जन औषधि दिवस -2021 कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रधानमंत्री श्री मोदी बोले - महंगी दवाईयों से गरीबों को बचाने के लिए खोले जन औषधि केन्द्र

तीसरे जन औषधि दिवस की थीम है : "सेवा भी- रोजगार भी"

दीव, 07 मार्च, 2021 :- आज पूरे भारत में तीसरे जन औषधि दिवस की शुरूआत की गई। इस अवसर पर दीव में भी जन औषधि दिवस -2021 कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जुड़े वहीं संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव के माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर प्रशासक के निजी सलाहकार डी. सत्या, जिला समाहर्ता, सलोनी राय, पुलिस अधीक्षक, अनुज कुमार, जिला पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष तथा जनप्रतिनिधि गण, स्वास्थ्य निदेशक डॉ बी. के. दास, उप समाहर्ता, जिला पंचायत के मुख्य अधिकारी, सरकारी डॉक्टर, प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा आमजनता उपस्थित रहे । कार्यक्रम के आरंभ मे वीडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश के अलग-अलग राज्यों के जिलों में कार्यरत जन औषधि केन्द्रों से लाभान्वित होनेवाले लाभार्थियों, इस योजना के तहत सेवा देनेवाले कर्मियों तथा संचालकों से उनके अनुभवों का जाना और उनसे सीधा संवाद किया । माननीय प्रधानमंत्री ने शिमला जिला के लाभाथी श्रीमती कृष्णा, भोपाल के लाभार्थी श्रीमती रूबिना, अहमदाबाद के सेवाभावी राजूभाई भयानी और उनकी टीम तथा संघ प्रदेश दीव के जन औषधि संचालक श्री इरशाद रफीकभाई कुरैशी से उनके अनुभवों का जाना और उन्हें इस क्षेत्र में सामान्य लोगों और गरीबों के कल्याण हेतु तन-मन से कार्य करने के महत्वपूर्ण सुझाव दिए। जन औषधि के संचालक श्री इरशाद रफीकभाई कुरैशी के मुखारविंद से दीव का नाम सुनते ही माननीय प्रधानमंत्री ने दीव की प्रशंसा की और कहा कि दीव देश का पहला शहर है जो अपनी विद्युत उर्जा की जरूरतों की पूर्ति पूरी तरह से सौर उर्जा से करता है। सौर उर्जा के क्षेत्र में किया गया यह कार्य अपने आप में अद्वितीय है और संघ प्रदेश प्रशासन इसके लिए बधाई का पत्र है। इस अवसर पर जन औषधि के अलग-अलग श्रेणियों यथा जन औषधि चिकित्सक, सारथी और जीवन ज्योति श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ कार्य करनेवाले कर्मियों को केंद्रीय उर्वरक एवं रसायन मंत्री श्री सदानंद गौड़ा द्वारा पुरस्कार प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया ।

जन औषधि केंद्र को विश्व की सबसे बड़ी खुदरा दवा श्रृंखला माना जाता है। देश के 700 जिलों में 7500 जन औषधि केंद्र खोले गए हैं। इन केंद्रों में बहुतायत मात्रा में दवाओं की बिक्री हुई और इससे सामान्य नागरिकों के लिए लगभग कुल 3600 करोड़ रुपये की बचत हुई। यह योजना सतत और नियमित आय के साथ स्वरोजगार का अच्छा साधन प्रदान करती है।

जन औषधि केंद्र से दवाईयाँ खरीदने की पीएम की अपील

इस अवसर पर जन औषधि योजना के लाभार्थी का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि दवाइयां महंगी हो रही हैं, इसलिए हमने प्रधानमंत्री जन औषधि योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के लाभ से गरीबों के पैसे बचे हैं। उन्होने कहा कि कि मेरी लोगों से अपील है कि ज्यादा से ज्यादा दवाइयां प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र से खरीदें ।

जन औषधि योजना सेवा और रोजगार दोनों का माध्यम

उन्होंने कहा कि जन औषधि योजना को देश के कोने-कोने में चलाने वाले और कुछ लाभार्थियों से आज मुझे बात करने का अवसर मिला और जो चर्चा हुई है, उससे एक बात निकलकर सामने आई है कि यह योजना गरीब और विशेष रूप से मध्यम वर्गीय परिवारों की बहुत बड़ी साथी बन रही है। जन औषधि योजना सेवा और रोजगार दोनों का माध्यम बन रही है। जन औषधि केंद्रों में सस्ती दवाई के साथ-साथ युवाओं को रोजगार के साथ-साथ आय के साधन मिल रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि 1,000 से ज्यादा जन औषधि केंद्र तो ऐसे हैं, जिन्हें महिलाएं ही चला रही हैं। यानी ये योजना बेटियों की आत्मनिर्भरता को भी बल दे रही है। इस योजना से पहाड़ी क्षेत्रों में, उतर-पूर्व में, जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले देशवासियों तक सस्ती दवा देने में मदद मिल रही है। आज जन औषधि के 7,500 वे केंद्र का लोकार्पण भी किया गया है ।

'मेड इन इंडिया दवाईयों की मांग बढ़ी है'

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि 7500 के पड़ाव तक पहुंचना इसलिए भी अहम है, क्योंकि छह साल पहले देश में ऐसे 100 केंद्र भी नहीं थे। हम जितना जल्दी हो सके, उतना जल्दी 10,000 का लक्ष्य पूर्ण करना चाहते हैं। इस योजना से फार्मा सेक्टर में संभावनाओं का एक नया आयाम भी खुला है। आज मेड इन इंडिया दवाइयां और सर्जिकल्स की मांग भी बढ़ी हैं। मांग बढ़ने से उत्पादकता भी बढ़ी है, जिससे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उत्पन्न हो रहे हैं।

आज मोटे अनाजों को ना सिर्फ प्रोत्साहित किया जा रहा है बल्कि अब भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स भी घोषित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि देश को आज अपने वैज्ञानिकों पर गर्व है कि हमारे पास **मेड इन इंडिया वैक्सीन** अपने लिए भी है और दुनिया की मदद करने के लिए भी है। हमारी सरकार ने यहां भी देश के गरीबों विशेषकर मध्यम वर्ग का खास ध्यान रखा है। आज सरकारी अस्पतालों में कोरोना का मुफ्त टीका लगाया जा रहा है। प्राइवेट अस्पतालों में दुनिया में सबसे सस्ता यानि सिर्फ 250 रुपए का टीका लगाया जा रहा है।

आयुष्मान योजना के तहत करोड़ों लोगों को मिला लाभ

पीएम श्री नरेन्द्र मोदी ने आगे कहा कि आयुष्मान योजना से देश के 50 करोड़ से ज्यादा गरीब परिवारों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित किया गया है। इसका लाभ 1.5 करोड़ से ज्यादा लोग ले चुके हैं, अनुमान है लोगों को इससे भी करीब 30 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2014 से पहले जहां देश में लगभग 55 हजार एमबीबीएस सीटें थीं, वहीं छह साल के दौरान इसमें 30 हजार से ज्यादा की वृद्धि की जा चुकी है। इसी तरह पीजी सीटें भी जो 30,000 हुआ करती थीं, उनमें 24 हजार से ज्यादा नई सीटें जोड़ी जा चुकी हैं।

आज अपराह्न लगभग 4 बजे संघ प्रदेश दमण-दीव एवं दादरा नगर हवेली के प्रशासक श्री प्रफुलभाई पटेल ने अपने दीव दौरा के दौरान सीम्बर बीच का दौरा किया। सीम्बर बीच पहुँचकर उन्होंने पूरे बीच और इसके आसपास के क्षेत्रों का मुआयना किया और पर्यटन की दृष्टिकोण से सीम्बर बीच के विकास हेतु अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए और संबंधित अधिकारियों को विकास की रूपरेखा तैयार करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी क्रम में माननीय प्रशासक ने दीव से सीम्बर तक

की सड़क की मजबूतीकरण और सुदृढ़ीकरण तथा इसे बेहतर बनाने के लिए भी गुजरात एवं दीव प्रशासन के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए ।

ध्यातव्य हो कि प्रशासक के रूप मे कार्यभार संभालने के बाद से ही वे इस प्रदेश के चहुँमुखी विकास का सपना संजोए हुए हैं, जिन्हें प्रशासन द्वारा साकार करने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है । माननीय प्रशासक के साथ इस दौरा के दौरान निजी सलाहकार डी. सत्या, जिला समाहर्ता सलोनी राय, पुलिस अधीक्षक अनुज कुमार, उप समाहर्ता एवं जिला पंचायत के मुख्य अधिकारी एवं प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।